



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार 26 सितम्बर, 2012 / 4 आश्विन, 1934

हिमाचल प्रदेश सरकार

HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH, SHIMLA-171 001

Shimla, the 21st September, 2012

NOTIFICATION

No.HHC.Admn.3(126)/79-I.—30 days commuted leave on and *w.e.f.* 03-08-2012 to 01-09-2012 with permission to suffix Sunday on 02-09-2012 is hereby sanctioned, *ex post facto*, in favour of Shri J. D. Bhardwaj, Deputy Registrar of this Registry.

Certified that Shri J. D. Bhardwaj has joined the same post and at the same station from where he had proceeded on leave after the expiry of the above leave period.

Certified that Shri J. D. Bhardwaj would have continued to officiate the same post of Deputy Registrar but for his proceeding on leave.

By order,
Sd/-
Registrar General.

**In the Court of Shri Sanjay Dhiman, H.A.S., Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate
Salooni-Dalhousie, District Chamba, Himachal Pradesh**

In the matter of :

1. Shri Tashi Namgyal s/o Shri Shilo, r/o Laxman Kothi Upper Bakrota Dalhousie, Tehsil Dalhousie, District Chamba (H. P)
2. Smt. Pasang Lhamo d/o Shri Jamyang Dorjee, r/o Laxman Kothi Upper Bakrota Dalhousie, Tehsil Dalhousie, District Chamba (H. P) . . Applicants.

Versus

General Public

Subject.—Application for the registration of Marriage under Section 16 of the Special Marriage Act, 1954.

Shri Tashi Namgyal and Smt. Pasang Lhamo have filed an application alongwith an affidavit in the court of undersigned under section 16 of the Special Marriage Act, 1954 that they have solemnized their marriage on 10th February, 2008 and that they have been living together as husband and wife since then. Hence their marriage may be registered under Special Marriage, Act, 1954.

Therefore, the general public is hereby informed through this notice that any person who has any objection regarding registration of this marriage can file an objection before this court on or before 15-10-2012. After that no objection will be entertained and marriage will be registered.

Issued on 12th day of March, 2010 under my hand and seal of the Court.

Seal.

SANJAY DHIMAN,
*Marriage Officer-cum-Sub Divisional Magistrate,
Salooni-Dalhousie, District Chamba (H. P.).*

ब अदालत श्री बसन्त राम, सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी, थुरल, जिला कांगड़ा,
हिमाचल प्रदेश

प्रकरण सं० : 12/2012/SST

तिथि दायरा : 22-6-2012

तिथि पेशी : 19-10-2012

किस्म मुकद्दमा : नाम दुरुस्ती।

श्री हेम राज उपनाम सुदेश कुमार पुत्र श्री सरवण, निवासी गांव साई-दा-लाहड़, डाकघर साई,
उप-तहसील थुरल, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश . . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

. . प्रतिवादी।

विषय.—राजस्व अभिलेख महाल साई-दा-लाहड़, मौजा व उप-तहसील थुरल में नाम दुरुस्ती हेतु प्रार्थना-पत्र।

उपरोक्त वर्णित प्रार्थी ने पीठासीन अधिकारी की अदालत में अपने नाम की राजस्व अभिलेख महाल साई-दा-लाहड़, मौजा व उप-तहसील थुरल, जिला कांगड़ा (हि० प्र०) की दुरुस्ती हेतु प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत

किया है। प्रार्थी के अनुसार उसके शैक्षणिक व ग्राम पंचायत अभिलेख में उसका नाम सुदेश कुमार पुत्र सरवण दर्ज है किन्तु राजस्व अभिलेख महाल साई-दा-लाहड़, मौजा व उप-तहसील थुरल में गलती से उसका नाम सुदेश कुमार के बजाए देश राज दर्ज हो गया है जोकि गलत है। अतः प्रार्थी राजस्व अभिलेख महाल साई-दा-लाहड़ में अपने नाम की दुरुस्ती करवा करके देश राज के बजाए देश राज उपनाम सुदेश कुमार पुत्र श्री सरवण दर्ज करवाना चाहता है। इसकी पुष्टि में प्रार्थी ने नकल जमाबन्दी जेरधारा महाल साई-दा-लाहड़, शैक्षणिक प्रमाण-पत्र की छाया प्रति, वोटर कार्ड की छाया प्रति व शपथ-पत्र भी शपथ-पत्र के साथ संलग्न किए हैं।

अतः प्रार्थी के प्रकरण को स्वीकार करते हुए इस मुस्त्री मुनादी चस्वांगी इश्तहार राजपत्र हि० प्र० प्रकाशन के माध्यम से प्रत्यार्थी आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त श्री देश राज उपनाम सुदेश कुमार के राजस्व अभिलेख महाल साई-दा-लाहड़ की दुरुस्ती बारे किसी प्रकार का उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 19-10-2012 को असालतन या वकालतन हाजिर अदालत होकर अपना उजर पेश कर सकता है अन्यथा इस तिथि को किसी प्रकार का उजर एतराज पेश न होने की सूरत में राजस्व अभिलेख महाल साई-दा-लाहड़, मौजा व उप-तहसील थुरल में देश राज के बजाए देश राज उपनाम सुदेश कुमार पुत्र श्री सरवण की प्रविष्टि दर्ज करने के आदेश पारित कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 10-9-2012 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

बसन्त राम,
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,
थुरल, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री बसन्त राम, सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी, थुरल, जिला कांगड़ा,
हिमाचल प्रदेश

किस्म मुकद्दमा : नाम दुरुस्ती।

तिथि दायरा : 30-7-2012

तिथि पेशी : 19-10-2012

श्री फुलिया राम उपनाम राज कुमार पुत्र श्री भंगी, निवासी महाल लिंझण, मौजा व उप-तहसील थुरल,
जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश . . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

. . प्रतिवादी।

विषय.—राजस्व अभिलेख महाल लिंझण, मौजा व उप-तहसील थुरल, जिला कांगड़ा (हि० प्र०) में नाम दुरुस्ती हेतु प्रार्थना-पत्र।

उपरोक्त वर्णित प्रार्थी श्री फुलिया राम उपनाम राज कुमार पुत्र श्री भंगी, निवासी महाल लिंझण, मौजा व उप-तहसील थुरल, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ने पीठासीन अधिकारी की अदालत में अपने नाम की राजस्व अभिलेख महाल लिंझण, मौजा व उप-तहसील थुरल, जिला कांगड़ा (हि० प्र०) की दुरुस्ती हेतु प्रार्थना-पत्र इस आशय के साथ प्रस्तुत किया है कि उसका नाम ग्राम पंचायत मूण्डी व सेना अभिलेख में बतौर राज कुमार पुत्र श्री भंगी दर्ज है जबकि राजस्व अभिलेख महाल लिंझण में गलती से फुलिया राम दर्ज हो गया है। अतः प्रार्थी राजस्व अभिलेख महाल लिंझण, मौजा व उप-तहसील थुरल में फुलिया राम के बजाए फुलिया राम उपनाम राज कुमार दर्ज करवाना चाहता है। इसकी पुष्टि में उसने प्रार्थना-पत्र के साथ परिवार रजिस्टर की नकल, सेना अभिलेख की छाया प्रति, नकल जमाबन्दी जेरधारा व शपथ-पत्र के साथ संलग्न किए हैं।

अतः प्रार्थी के प्रार्थना-पत्र को स्वीकार करते हुए इस मुस्त्री मुन्यादी चस्पांगी व इश्तहार राजपत्र हि० प्र० प्रकाशन के माध्यम से प्रतिवादी आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त

फुलिया राम के नाम की राजस्व अभिलेख महाल लिंझण में दुरुस्ती बारे कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 19-10-2012 को असालतन या वकालतन हाजिर अदालत होकर अपना उजर पेश कर सकता है अन्यथा इस तिथि को किसी प्रकार का उजर या एतराज पेश न होने की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाते हुए राजस्व अभिलेख महाल लिंझण, मौजा व उप-तहसील थुरल में फुलिया राम के बजाए फुलिया राम उपनाम राज कुमार पुत्र श्री भंगी दर्ज करने के आदेश पारित कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 10-9-2012 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

बसन्त राम,
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,
थुरल, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

**In the Court of Shri Balbir Thakur (H.A.S.), Special Marriage Officer-cum-Sub-Divisional
Magistrate, Manali, District Kullu, Himachal Pradesh**

In the matter of :

Mr. Tsering Choephel s/o Shri Yeshe Dhargyal, r/o House No. 122, Ward No. 6, Manali, Tehsil Manali, District Kullu (H.P.) and Mrs. Khando Wangmo d/o Shri Dawa Lhagyal, r/o House No. 122, Ward No. 6, Manali, Tehsil Manali, District Kullu (H.P.) at present w/o Mr. Tsering Choephel s/o Shri Yeshe Dhargyal, r/o House No. 122, Ward No. 6, Manali, Tehsil Manali, District Kullu (H.P.).

Versus

General public

An application for registration of marriage under Special Marriage Act, 1954.

Whereas Mr. Tsering Choephel s/o Shri Yeshe Dhargyal, r/o House No. 122, Ward No. 6, Manali, Tehsil Manali, District Kullu (H.P.) and Mrs. Khando Wangmo d/o Shri Dawa Lhagyal, r/o House No. 122, Ward No. 6, Manali, Tehsil Manali, District Kullu (H.P.) at present w/o Mr. Tsering Choephel s/o Shri Yeshe Dhargyal, r/o House No. 122, Ward No. 6, Manali, Tehsil Manali, District Kullu (H.P.) has presented an application on 14-9-2012 in this Court for the registration of marriage under Special Marriage Act, 1954. Hence this proclamation is hereby issued for the information of general public that if any person has any objection for the registration of the above marriage can appear in this Court on 5-10-2012 at 2.00 P.M. to object registration of above marriage personally or through an authorized agent failing which this marriage will be registered under this Act, 1954 accordingly.

Given under my hand and seal of the Court on 20th day of September, 2012.

Seal.

BALBIR THAKUR,
*Special Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate,
Manali, District Kullu, Himachal Pradesh.*

**In the Court of Shri Balbir Thakur (H.A.S.), Special Marriage Officer-cum-Sub-Divisional
Magistrate, Manali, District Kullu, Himachal Pradesh**

In the matter of :

Mr. Tsering Wangden s/o Shri Lobsang Dhondup, r/o House No. 44, Ward No. 7, Manali, Tehsil Manali, District Kullu (H.P.) and Mrs. Tsering Lhamo d/o Shri Lobsang Jangser at present w/o Mr. Tsering Wangden s/o Shri Lobsang Dhondup, r/o House No. 44, Ward No. 7, Manali, Tehsil Manali, District Kullu (H.P.).

Versus

General public

An application for registration of marriage under Special Marriage Act, 1954.

Whereas Mr. Tsering Wangden s/o Shri Lobsang Dhondup, r/o House No. 44, Ward No. 7, Manali, Tehsil Manali, District Kullu (H.P.) and Mrs. Tsering Lhamo d/o Shri Lobsang Jangser at present w/o Mr. Tsering Wangden s/o Shri Lobsang Dhondup, r/o House No. 44, Ward No. 7, Manali, Tehsil Manali, District Kullu (H.P.) has presented an application on 14-9-2012 in this Court for the registration of marriage under Special Marriage Act, 1954. Hence this proclamation is hereby issued for the information of general public that if any person has any objection for the registration of the above marriage can appear in this Court on 15-10-2012 at 2.00 P.M. to object registration of above marriage personally or through an authorized agent failing which this marriage will be registered under this Act, 1954 accordingly.

Given under my hand and seal of the Court on 20th day of September, 2012.

Seal.

BALBIR THAKUR,
*Special Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate,
Manali, District Kullu, Himachal Pradesh.*

**In the Court of Shri Balbir Thakur (H.A.S.), Special Marriage Officer-cum-Sub-Divisional
Magistrate, Manali, District Kullu, Himachal Pradesh**

In the matter of :

Mr. Dawa Tsering s/o Shri Karma, r/o Village Dickling Samahan Rohtang Road, Manali, Tehsil Manali, District Kullu (H.P.) and Mrs. Thinley Choedon d/o Shri Namjang, r/o Village Samahan Rohtang Road, Manali, Tehsil Manali, District Kullu (H.P.) at present w/o Mr. Dawa Tsering s/o Shri Karma, r/o Village Dickling Samahan Rohtang Road, Manali, Tehsil Manali, District Kullu (H.P.).

Versus

General public

An application for registration of marriage under Special Marriage Act, 1954.

Whereas Mr. Dawa Tsering s/o Shri Karma, r/o Village Dickling Samahan Rohtang Road, Manali, Tehsil Manali, District Kullu (H.P.) and Mrs. Thinley Choedon d/o Shri Namjang, r/o Village Samahan Rohtang Road, Manali, Tehsil Manali, District Kullu (H.P.) at present w/o Mr. Dawa Tsering s/o Shri Karma, r/o Village Dickling Samahan Rohtang Road, Manali, Tehsil

Manali, District Kullu (H.P.) has presented an application on 14-9-2012 in this Court for the registration of marriage under Special Marriage Act, 1954. Hence this proclamation is hereby issued for the information of general public that if any person has any objection for the registration of the above marriage can appear in this Court on 15-10-2012 at 2.00 P.M. to object registration of above marriage personally or through an authorized agent failing which this marriage will be registered under this Act, 1954 accordingly.

Given under my hand and seal of the Court on 20th day of September, 2012.

Seal.

BALBIR THAKUR,
*Special Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate,
Manali, District Kullu, Himachal Pradesh.*

**In the Court of Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate, Sadar Mandi,
District Mandi, Himachal Pradesh**

In the matter of :

1. Shri Kashmir Chand s/o Shri Amar Singh, r/o VPO Chamned, Tehsil and District Hamirpur (H. P.) at present residing at Village Nasloh, P.O. Rehardhar, Tehsil Sadar Mandi, District Mandi (H. P.)
2. Smt. Ranju Devi d/o Shri Ramesh Chand, r/o Village Amned, P.O. Bharthyan, Tehsil and District Hamirpur (H. P.) at present residing at Village Nasloh, P.O. Rehardhar, Tehsil Sadar Mandi, District Mandi (H. P.)

... Applicants.

Versus

General public

Subject.—Application for the registration of marriage under section 15 of Special Marriage Act, 1954.

Shri Kashmir Chand s/o Shri Amar Singh, r/o VPO Chamned, Tehsil and District Hamirpur (H. P.) at present residing at Village Nasloh, P.O. Rehardhar, Tehsil Sadar Mandi, District Mandi (H. P.) and Smt. Ranju Devi d/o Shri Ramesh Chand, r/o Village Amned, P.O. Bharthyan, Tehsil and District Hamirpur (H. P.) at present residing at Village Nasloh, P.O. Rehardhar, Tehsil Sadar Mandi, District Mandi (H. P.) have filed an application alongwith affidavits in the court of undersigned under section 15 of Special Marriage Act, 1954 that they have solemnized their marriage on 23-8-2011 according to Hindu rites and customs at Tarna Temple, Mandi Town, Mandi and they are living together as husband and wife since then, hence their marriage may be registered under Special Marriage Act, 1954.

Therefore, the general public is hereby informed through this notice that any person who has any objection regarding this marriage can file the objection personally or in writing before this court on or before 19-10-2012 after that no objection will be entertained and marriage will be registered.

Issued today on 19th day of September, 2012 under my hand and seal of the court.

Seal.

Sd/-
*Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate,
Sadar Mandi, District Mandi (H. P.).*

ब अदालत श्री मुकेश शर्मा, सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

नं० मुकद्दमा : 60/2012

तारीख दायर : 6-9-2012

श्री राज कुमार पुत्र श्री ठाकुर राम, निवासी गांव रंगोरी, तहसील रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश फरीक अब्बल।

बनाम

1. श्री गोपाल पुत्र श्री जटी पुत्र श्री तुलसू, निवासी गांव रंगोरी, तहसील रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश,
2. आम जनता फरीकदोयम।

प्रार्थना-पत्र जेर पहरा आर्डर 5, रूल 6, सी० पी० सी० बाबत मकफूद-उल-खबरी वाका चक रंगोरी, तहसील रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश।

नोटिस बनाम आम जनता।

दरखास्त मकफूद-उल-खबरी हमारे समक्ष फरीक अब्बल श्री राज कुमार पुत्र श्री ठाकुर राम, निवासी गांव रंगोरी, तहसील रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश ने इस आशय के साथ प्रस्तुत की है कि फरीक अब्बल का चाचा श्री गोपाल पुत्र श्री जटी पुत्र श्री तुलसू, निवासी गांव रंगोरी, तहसील रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश वर्ष 1977 से लगभग 35 वर्ष से लापता है तथा इस अवधि के अन्दर गोपाल घर न आया, उनका आज तक कोई पता न चला तथा न ही उनकी ओर से कोई चिट्ठी-पत्र आया है। उनकी कोई शादी न थी और न ही उनकी कोई औलाद है। जब गोपाल घर से लापता हुआ तब आवेदक मात्र 11-12 वर्ष का था। श्री गोपाल पुत्र श्री जटी खाता/खतौनी नं० 31/106 ता 107, किते 3, रकबा तादादी 0-21-93 है० व खाता/खतौनी नं० 28 मिन/98 ता 102 किते 21, रकबा तादादी 02-11-09 है० वाका चक रंगोरी का बरुए जमाबन्दी वर्ष 2009-10 का बशराक्त हिस्सेदार काशी राम आदि मालिक व काविज दर्ज कागजात माल है। फरीक अब्बल को यकीन हो गया है कि श्री गोपाल अब जीवित नहीं है। जिसका फरीक अब्बल मकफूद-उल-खबरी का इन्तकाल जायज वारसान के हक में तस्दीक करवाना चाहता है।

अतः इस इशतहार द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति या गोपाल जीवित हो तो उपरोक्त मकफूद-उल-खबरी का इन्तकाल जायज वारसान के हक में तस्दीक करने बारा कोई उजर या एतराज है तो वह दिनांक 23-10-2012 को या इससे पूर्व अदालत हजा में हाजिर आकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। बाद गुजरने मियाद कोई भी उजर/एतराज काबिले समायत न होगा तथा नियमानुसार उपरोक्त मकफूद-उल-खबरी का इन्तकाल जायज वारसान के हक में तस्दीक करने के आदेश पारित कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 22-9-2012 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

मुकेश शर्मा,
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री मुकेश शर्मा, सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

नं0 मुकद्दमा : 61/2012

तारीख दायर : 6-9-2012

श्री राज कुमार पुत्र श्री ठाकुर राम, निवासी गांव रंगोरी, तहसील रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश फरीक अब्बल।

बनाम

1. श्री चरण दास उर्फ राम चरण सिंह पुत्र श्री जटी पुत्र श्री तुलसू, निवासी गांव रंगोरी, तहसील रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश।
2. आम जनता फरीक दोयम।

प्रार्थना-पत्र जेर पहरा आर्डर 5, रूल 6, सी0 पी0 सी0 बाबत मकफूद-उल-खबरी वाका चक रंगोरी, तहसील रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश।

नोटिस बनाम आम जनता।

दरखास्त मकफूद-उल-खबरी हमारे समक्ष फरीक अब्बल श्री राज कुमार पुत्र श्री ठाकुर राम, निवासी गांव रंगोरी, तहसील रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश ने इस आशय के साथ प्रस्तुत की है कि फरीक अब्बल का ताया श्री चरण दास उर्फ राम चरण सिंह पुत्र श्री जटी पुत्र श्री तुलसू, निवासी गांव रंगोरी, तहसील रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश वर्ष 1978 से लगभग 34 वर्ष से लापता है तथा इस अवधि के अन्दर श्री चरण दास उर्फ राम चरण सिंह घर न आया, उनका आज तक कोई पता न चला तथा न ही उनकी ओर से कोई चिट्ठी-पत्र आया है। उनकी कोई शादी न थी और न ही उनकी कोई औलाद है। जब चरण दास उर्फ राम चरण सिंह घर से लापता हुआ तब आवेदक मात्र 11-12 वर्ष का था। श्री चरण दास उर्फ राम चरण सिंह पुत्र श्री जटी खाता/खतौनी नं0 31/106 ता 107, किते 3, रकबा तादादी 0-21-93 है0 व खाता/खतौनी नं0 28 मिन/98 ता 102 किते 21, रकबा तादादी 02-11-09 है0 वाका चक रंगोरी का बरुए जमाबन्दी वर्ष 2009-10 का बशराक्त हिस्सेदार काशी राम आदि मालिक व काबिज दर्ज कागजात माल है। फरीक अब्बल को यकीन हो गया है कि श्री चरण दास उर्फ राम चरण सिंह अब जीवित नहीं है। जिसका फरीक अब्बल मकफूद-उल-खबरी का इन्तकाल जायज वारसान के हक में तस्दीक करवाना चाहता है।

अतः इस इश्तहार द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति या श्री चरण दास उर्फ राम चरण सिंह जीवित हो तो उपरोक्त मकफूद-उल-खबरी का इन्तकाल जायज वारसान के हक में तस्दीक करने बारा कोई उजर या एतराज है तो वह दिनांक 23-10-2012 को या इससे पूर्व अदालत हजा में हाजिर आकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। बाद गुजरने मियाद कोई भी उजर/एतराज काबिले समायत न होगा तथा नियमानुसार उपरोक्त मकफूद-उल-खबरी का इन्तकाल जायज वारसान के हक में तस्दीक करने के आदेश पारित कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 22-9-2012 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

मुकेश शर्मा,
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री मुकेश शर्मा, कार्यकारी दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

श्री थुम्बी राम पुत्र स्व० श्री सोदु राम, निवासी गांव तलारा, डा० शाहधार, तहसील रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रतिवादी।

प्रार्थना—पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 जन्म तिथि दुरुस्ती बारे।

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री थुम्बी राम पुत्र स्व० श्री सोदु राम, निवासी गांव तलारा, डा० शाहधार, तहसील रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश ने इस अदालत में प्रार्थना—पत्र मय शपथ—पत्र गुजारा है कि प्रार्थी की जन्म तिथि 4-4-1964 मुताबिक स्कूल अभिलेख व पहचान—पत्र के सही हैं परन्तु पंचायत अभिलेख में प्रार्थी की जन्म तिथि 2-4-1961 दर्ज है जो कि गलत है। प्रार्थी अपनी जन्म तिथि स्थानीय पंचायत अभिलेख में 2-4-1961 के स्थान पर 4-4-1964 दुरुस्त करवाना चाहता है।

अतः इस इशतहार द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त थुम्बी राम की जन्म तिथि स्थानीय ग्राम पंचायत अभिलेख शाहधार में 2-4-1961 के स्थान पर 4-4-1964 दुरुस्त करने बारा कोई उजर या एतराज हो तो वह दिनांक 23-10-2012 को या इससे पूर्व अदालत हजा में हाजर आकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। बाद गुजरने मियाद कोई भी उजर/एतराज काबिले समायत न होगा तथा नियमानुसार पंचायत अभिलेख में प्रार्थी जन्म तिथि दुरुस्त करने के आदेश पारित कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 22-9-2012 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

मुकेश शर्मा,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश।

**In the Court of Shri Y. P. S. Verma, H. A. S., Sub Divisional Magistrate Theog,
District Shimla**

Shri Prem Lal s/o Shri Surat Ram r/o Village Barordhar, P. O. Balag , Tehsil Theog, District Shimla, Himachal Pradesh . . Applicant.

Versus

General Public

. . Respondent.

Application under section 13 (3) of Birth & Death Registration Act, 1969.

Whereas, Shri Prem Lal s/o Shri Surat Ram r/o Village Barordhar, P. O. Balag , Tehsil Theog, District Shimla, Himachal Pradesh has preferred an application to the undersigned for the registration of name of his son namely Rahul date of birth 25-3-2008 in the record of Gram Panchayat Balag, Tehsil Theog, District Shimla, Himachal Pradesh.

Whereas, by this proclamation, the general public is hereby informed that any person having any objection for entry mentioned above, may submit his objection in writing in this court on or before 15-10-2012, failing which no objection will be entertained after the expiry of date.

Given under my hand and seal of the court on this 10-9-2012.

Seal.

Y. P. S. VERMA,
Sub Divisional Magistrate,
Theog, District Shimla.

उद्योग विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 19 सितम्बर, 2012

संख्या उद्योग-II (एफ) 6-20/2005.—हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, इस विभाग की अधिसूचना संख्या उद्योग-II (एफ)6-20/2005, तारीख 30-4-2011 के क्रम में और खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 (1957 का अधिनियम संख्यांक 67) की धारा 21 (4) के साथ पठित धारा 26 की उपधारा (2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों तथा इस निमित्त उन्हें समर्थ बनाने वाली अन्य समस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, किसी व्यक्ति द्वारा किसी विधिपूर्ण प्राधिकार के बिना, किसी भूमि से निकाले गए या वहन किए गए या निकलवाए गए या वहन करवाए गए किसी खनिज, तथा इस प्रयोजन के लिए प्रयुक्त किसी औजार, उपस्कर, यान या किसी अन्य वस्तु जो इस निमित्त विशेष रूप से सशक्त किसी अधिकारी या प्राधिकारी द्वारा अभिगृहीत किए जाने के लिए दायी होगी को अभिगृहीत करने के लिए तुरन्त प्रभाव से निम्नलिखित अधिकारियों को सशक्त/प्राधिकृत करती हैं :—

1. क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, उनकी अपनी-अपनी अधिकारिता में।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/—
अतिरिक्त मुख्य सचिव (उद्योग)।

[Authoritative English Text of this Department Notification Number Udyog-II (F) 6-20/2005 dated 19-9-2012 as required under clause (3) of article 348 of the Constitution of India].

INDUSTRIES DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 19th September, 2012

No. Udyog-II(F)6-20/2005.—In continuation to Notification No. Udyog-II(F) 6-20/2005 dated 30-4-2011 and in exercise of the powers conferred under Sub Section (2) of Section 26 read with Section 21(4) of the Mines and Minerals (Development & Regulation) Act, 1957 (Act No. 67 of 1957) and all other powers enabling her in this behalf, the Governor, Himachal Pradesh, is pleased to empower/authorize the following Officer to seize any mineral raised or transported or

caused to be raised or transported by any person without any lawful authority, any mineral from any land, and, for that purpose, uses any tool, equipment, vehicle or any other thing shall be liable to be seized by an officer or authority specially empowered in this behalf with immediate effect:—

1. The Regional Transport Officer,

In their respective jurisdiction.

By order,

Sd/-

Addl. Chief Secretary (Inds.).

उद्योग विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 19 सितम्बर, 2012

संख्या उद्योग-II (एफ) 6-20/2005.—हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, इस विभाग की अधिसूचना संख्या उद्योग-II (एफ) 6-20/2005, तारीख 30-4-2011 के क्रम में और खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 (1957 का अधिनियम संख्यांक 67) की धारा 22 के साथ पठित धारा 26 की उपधारा (2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों तथा इस निमित्त उन्हें समर्थ बनाने वाली अन्य समस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित अधिकारियों को, उक्त अधिनियम या तदधीन बनाए गए किन्हीं नियमों के अधीन दण्डनीय किसी अपराध की बाबत सक्षम अधिकारिता के न्यायालय में लिखित रूप में परिवाद करने के लिए तुरन्त प्रभाव से प्राधिकृत करती हैं :-

1. क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी,

उनकी अपनी-अपनी अधिकारिता में।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित /—

अतिरिक्त मुख्य सचिव (उद्योग)।

[Authoritative English Text of this Department Notification Number Udyog-II (F) 6-20/2005 dated 19/9/2012 as required under clause (3) of article 348 of the Constitution of India].

INDUSTRIES DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 19th September, 2012

No. Udyog-II(F)6-20/2005.—In continuation to Notification No. Udyog-II(F) 6-20/2005 dated 30-4-2011 and in exercise of the powers conferred under Sub Section (2) of Section 26 read with Section 22 of the Mines and Minerals (Development & Regulation) Act, 1957 (Act No. 67 of 1957) and all other powers enabling her in this behalf, the Governor, Himachal Pradesh, is pleased to authorize the following Officer to make complaints in writing in the Court of competent jurisdiction in respect of any offence punishable under the said Act or any rules made there under, with immediate effect:—

1. The Regional Transport Officer,

In their respective jurisdiction.

By order,

Sd/-

Addl. Chief Secretary (Inds.).

उद्योग विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 20 सितम्बर, 2012

संख्या इण्ड-II (एफ) 6-8/2008.—हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 15 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस विभाग की अधिसूचना संख्या 13-3/70-एस.आई., तारीख 13 अप्रैल, 1971 को अधिसूचित और राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में तारीख 5 मई, 1971 को प्रकाशित दी हिमाचल प्रदेश माईनर मिनरल्स (कन्सेशन) रिवाईज्ड रूलज, 1971 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम दी हिमाचल प्रदेश माईनर मिनरल्स (कन्सेशन) रिवाईज्ड (संशोधन) नियम, 2012 है ।

(2) ये नियम, राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे ।

2. नियम 53 का संशोधन.—उक्त नियमों के नियम 53 में,—

(क) उप नियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

“(2) Any contravention of sub-rule (1) shall be punishable with imprisonment for a term which may extend to two years or with fine which may extend to Rs. 25000/- or with both:

Provided that the contravention of sub-rule (1) for the first and the second time may be compounded by a person authorized by the State Government under section 22 and the case in relation to the subsequent contravention shall be filed by the person so authorized in the competent court of law for which the penalty shall be as provided under this sub-rule. The manner of compounding of offence shall be as under:—

- (i) The amount of compounding fee in case of unauthorized mining carried out manually shall not be less than Rs. 10000/-.
- (ii) That in case of second contravention a minimum compounding fee of Rs. 5000/- shall be charged in addition to the amount compounded for the first contravention.
- (iii) That the amount of compounding fee shall not be less than Rs. 25000/- for unauthorized mining done mechanically in the river/stream beds.”; and

(ख) इस प्रकार रखे गए उप नियम (2) के पश्चात् निम्न लिखित उप नियम जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

“(3)(i) whenever any person raises, transports or causes to be raised or transported without any lawful authority, any mineral from any land and for that purpose, uses any tool, equipment, vehicle or any other thing, such mineral tool, equipment, vehicle or any other thing shall be liable to be seized by an officer or authority specially empowered in this behalf by the State Government under sub-section (4) of section 21.

(ii) Any mineral, tool, equipment, vehicle or any other thing seized under clause (i), shall be liable to be confiscated by an order of the court competent to take cognizance of the offence under sub-rule (2) and shall be disposed off in accordance with the directions of such court.”.

3. नियम 57 का संशोधन.—उक्त नियमों के नियम 57 में,—

(क) उप नियम (6) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“Any person found to have contravened any provision of sub-rules (2), (3) or (5), shall, on conviction, be punishable with imprisonment of either description for a term which may extend upto 2 years or with fine which may extend upto Rs. 25000/:

Provided that the contravention of sub-rules (2), (3) and (5) for the first time may be compounded by a person authorized in this behalf by the State Government under Section 22 and the case in relation to the subsequent contravention shall be filed in the competent court of law for which the penalty shall be as provided under this sub-rule. The compounding of offences under this sub-rule shall be as under:—

The amount of the compounding fee shall not be less than Rs. 4500/- for tractor, Rs. 7000/- for medium truck/tipper having capacity upto 7 metric ton, Rs. 10,000/- for trucks having capacity upto 10 metric ton and Rs. 15000/- for trucks with capacity more than 10 metric ton, and Rs. 200/- for mule/horse.”.

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित /—
अति० मुख्य सचिव (उद्योग)।

[Authoritative English text of this Department Notification number: Ind-II(F)6-8/2008 dated 20/9/2012 as required under clause (3) of the article 248 of the constitution].

INDUSTRIES DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 20th September, 2012

No. Ind-II(F) 6-8/2008.—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 15 of the Mines and Minerals (Development and Regulation) Act, 1957, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to make the following rules further to amend the Himachal Pradesh Minor Minerals (Concession) Revised Rules, 1971, notified vide this Department notification number 13-3/70- SI, dated 13th April, 1971 and published in the Rajpatra, Himachal Pradesh dated 5th May, 1971, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Minor Minerals (Concession) Revised (Amendment) Rules, 2012.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. Amendment of rule 53.—In rule 53 of the said rules,—

(a) for sub-rule (2), the following shall be substituted namely:—

“(2) Any contravention of sub-rule (1) shall be punishable with imprisonment for a term which may extend to two years or with fine which may extend to Rs. 25000/- or with both:

Provided that the contravention of sub-rule (1) for the first and the second time may be compounded by a person authorized by the State Government under section 22 and the case in relation to the subsequent contravention shall be filed by the person so authorized in the competent court of law for which the penalty shall be as provided under this sub-rule. The manner of compounding of offence shall be as under:—

- (i) The amount of compounding fee in case of unauthorized mining carried out manually shall not be less than Rs. 10000/-.
- (ii) That in case of second contravention a minimum compounding fee of Rs. 5000/- shall be charged in addition to the amount compounded for the first contravention.
- (iii) That the amount of compounding fee shall not be less than Rs. 25000/- for unauthorized mining done mechanically in the river/stream beds.”; and

(b) After sub-rule (2), so substituted, the following subrule shall be added, namely:—

“(3)(i) whenever any person raises, transports or causes to be raised or transported without any lawful authority, any mineral from any land and for that purpose, uses any tool, equipment, vehicle or any other thing, such mineral tool, equipment, vehicle or any other thing shall be liable to be seized by an officer or authority specially empowered in this behalf by the State Government under sub-section (4) of section 21.

(ii) Any mineral, tool, equipment, vehicle or any other thing seized under clause (i), shall be liable to be confiscated by an order of the court competent to take cognizance of the offence under sub-rule (2) and shall be disposed off in accordance with the directions of such court.”.

3. Amendment of rule 57.—In rule 57 of the said rules,—

(a) for sub-rule (6) the following shall be substituted, namely:—

“Any person found to have contravened any provision of sub-rules (2), (3) or (5), shall, on conviction, be punishable with imprisonment of either description for a term which may extend upto 2 years or with fine which may extend upto Rs. 25000/-:

Provided that the contravention of sub-rules (2), (3) and (5) for the first time may be compounded by a person authorized in this behalf by the State Government under Section 22 and the case in relation to the subsequent contravention shall be filed in the competent court of law for which the penalty shall be as provided under this sub-rule. The compounding of offences under this sub-rule shall be as under:—

The amount of the compounding fee shall not be less than Rs. 4500/- for tractor, Rs. 7000/- for medium truck/tipper having capacity upto 7 metric ton, Rs. 10,000/- for trucks having capacity upto 10 metric ton and Rs. 15000/- for trucks with capacity more than 10 metric ton, and Rs. 200/- for mule/horse.”.

By order,
Sd/-

Addl. Chief Secretary (Inds.).